● **सुनो, समझो और सुनाओ :**

९. एक सैर ऐसी भी

इस संवाद में लेखक ने बड़ों के आदेश, नियमों के पालन, अनुशासन एवं देशप्रेम की भावना को बढ़ावा दिया है ।

स्वयं अध्ययन

स्थान, समय, दिन, दिनांक, शुल्क आदि से संबंधित अपनी शालेय सैर का सूचना पत्र बनाओ ।

(क्रिसमस का अवकाश था । जॉन, अच्युत, अर्चना, विप्लव, प्राची, तबस्सुम, इब्राहिम सभी लावण्या के घर इकट्ठा होकर आपस में बातचीत कर रहे हैं ।)

जॉन : मित्रो! छुट्टियाँ चल रही हैं । विद्यालय में 'अपनी सैर' पर दस से पंद्रह वाक्य लिखने के लिए कहा गया है । चलो, आज ही नदी में नाव की सैर करके आते हैं । शुभ कार्य में देरी क्यों ?

अर्चना : नदी तो यहाँ से दूर है । बस से जाना पड़ेगा ।

विप्लव : वहाँ आने-जाने में पूरा दिन लग जाएगा ।

अच्युत : इतने पैसे भी अपने पास नहीं हैं । खाना भी नहीं खाया है । भूखे भजन न होंहि गोपाला ।

प्राची : घरवालों से बिना पूछे इतनी दूर जाना उचित नहीं है ।

इब्राहिम : साथ में कोई बड़ा भी तो होना चाहिए ।

जॉन : मार्था आंटी घर पर ही हैं । उनको साथ ले सकते हैं । वही हमारी नायक होंगी ।

लावण्या : तुम्हारी बात ठीक है । तुम अपनी आंटी को कल के लिए तैयार करो । आवश्यक खर्च के लिए पैसे एवं खाने-पीने के सामान लेकर कल प्रातः आठ बजे एस.टी. स्टैंड पर सभी मिलेंगे ।

(सभी अपने-अपने घर जाते हैं । सूचनानुसार तैयारी के साथ दूसरे दिन बस स्थानक पर सभी एकत्रित होते हैं । बस आते ही सभी बच्चे दौड़ पड़ते हैं ।)

❑ संवाद का मुखर एवं मौन वाचन कराएँ । प्रश्नोत्तर एवं चर्चा के माध्यम से संवाद के प्रमुख मुद्दे स्पष्ट करें । संवाद का नाट्यीकरण कक्षा में कराएँ । किसी सैर पर जाने के पूर्व क्या-क्या तैयारी करनी चाहिए, सूची बनवाएँ । राष्ट्रीय संपत्ति की सूची बनवाएँ ।

सुनो तो जरा

किसी हस्तकला प्रदर्शनी का निरीक्षण करो तथा अपने अनुभव कक्षा में सुनाओ :

- स्थान
- समय
- वस्तुएँ
- विशेषताएँ

मार्था आंटी : रुको, सुनो सभी बच्चो !

लावण्या : क्या हुआ आंटी जी ? यही बस नदी तक जाएगी ।

जॉन : हम अंदर जाकर फटाफट सीट पकड़ते हैं ।

प्राची : जगह पकड़ने के लिए खिड़की से सीट पर अपना सामान रख देते हैं ।

मार्था आंटी : शांत हो जाओ सब ! विद्यालय में तुम लोगों को क्या यही सिखाया-पढ़ाया गया है ? पंक्तिबद्ध होकर बस में चढ़ो । उससे पहले वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं को चढ़ने दो ।

(सभी झेंप जाते हैं । महिलाओं और वृद्धों के चढ़ने के बाद बस में चढ़ते हैं । सभी बैठ जाते हैं । अच्युत को देखकर सभी खुसर-फुसर करते हैं फिर हँसने लगते हैं ।)

अच्युत : तुम सब मुझे देखकर हँस क्यों रहे हो ?

विप्लव : तुम जिस सीट पर बैठे हो वह 'महिलाओं के लिए आरक्षित' है ।

जॉन : अर्चना तो 'दिव्यांग के लिए आरक्षित' सीट पर बैठी है ।

मार्था आंटी : इसीलिए कहा गया है- 'जल्दी का काम शैतान का काम होता है' । सभी लोगों को पहले ही ध्यान देकर बैठना चाहिए । **(सभी उचित जगह पर बैठते हैं । कंडक्टर बस में प्रवेश करता है । जॉन जोश में आकर बस की घंटी बजाने की कोशिश करता है । जोर से खींचने के कारण रस्सी टूट जाती है ।)**

कंडक्टर चाचा: तुम्हें मालूम नहीं कि बस सार्वजनिक संपत्ति है ? हर सार्वजनिक संपत्ति राज्य/राष्ट्र की संपत्ति है । इसे हानि पहुँचाना राष्ट्र को हानि पहुँचाना है ।

तबस्सुम : हाँ ! मैंने रेलवे में भी इसी तरह लिखा हुआ पढ़ा है ।

मार्था आंटी : केवल पढ़ने से कुछ नहीं होता । उनका पालन करना भी आवश्यक होता है । जॉन तुमने राष्ट्र की संपत्ति को नुकसान पहुँचाया है । चलो, कंडक्टर चाचा से क्षमा माँगो ।

(जॉन कंडक्टर चाचा से क्षमा माँगता है ।)

लावण्या : अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत ।

मार्था आंटी : कंडक्टर साहब ! जो नुकसान हुआ है, कृपया उसका पैसा मुझसे ले लीजिए ।

कंडक्टर चाचा: बच्चो ! इन्हीं छोटी-छोटी बातों से हम जीवन के आदर्श और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी सीखते हैं । चलो अब सब अपना-अपना टिकट लो ।

(सभी टिकट लेते हैं । बड़े ही अनुशासित ढंग से नदी किनारे घूमते हैं । स्वच्छता का ध्यान रखते हैं । नाव में बैठकर नदी की सैर करते हैं । अँधेरा होने के पहले अपने-अपने घर वापस आ जाते हैं ।)

❑ संवाद में किन-किन बच्चों ने क्या ऐसा किया जो नहीं करना चाहिए था, एकल, गुट में बताने के लिए कहें । कंडक्टर चाचा ने मार्था आंटी से पैसे लिए होंगे या नहीं, चर्चा कराएँ । 'सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा' पर बारह से पंद्रह वाक्य लिखने के लिए प्रेरित करें ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

विचार मंथन

।। स्वातं सुखाय तुलसी रघुनाथ गाथा ।।

नया शब्द

दिव्यांग = विकलांग

मुहावरे

खुसर-फुसर करना = आपस में फुसफुसाकर बोलना

जल्दी का काम शैतान का = बिना सोचे-विचारे काम करना

कहावतें

भूखे भजन न होंहि गोपाला = खाली पेट काम नहीं होता है

अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत = समय चूक जाने पर पश्चात्ताप निरर्थक होता है

जरा सोचो ..... बताओ

एक दिन के लिए यातायात के सभी साधन बंद रहें तो ...

अध्ययन कौशल

शालेय पर्यटन के लिए किसी पर्यटन स्थल की जानकारी अंतरजाल से प्राप्त करो ।

https//www.maharashtra.gov.in

बताओ तो सही

घर के बड़े हमें सलाह देते हैं, उनसे तुम कितने सहमत हो; बताओ ।

वाचन जगत से

रेल स्थानक और बस स्थानक पर लगे निर्देश, सूचना फलक पढ़ो और उनका पालन करो ।

मेरी कलम से

संवाद लिखो ।

- पॉलिथिन और कपड़े की थैली
- नारियल और आम का वृक्ष

खोजबीन

अपने तहसील/जिले की 'बाँध परियोजना' संबंधी जानकारी प्राप्त करो और टिप्पणी लिखो ।

✻ पाठ के आधार पर कारण लिखो :

(क) बच्चे सैर पर जाना चाहते थे ।
(ख) घरवालों की इजाजत लेनी पड़ी ।
(ग) बच्चों ने मार्था आंटी को साथ में लेना चाहा ।
(घ) मार्था आंटी ने बच्चों को डाँटा ।
(च) जॉन ने कंडक्टर चाचा से क्षमा माँगी ।
(छ) अच्युत को देखकर बच्चे हँस रहे थे ।

सदैव ध्यान में रखो

स्वच्छता में स्वास्थ्य निहित है ।

भाषा की ओर

तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, संकर शब्द पढ़ो और शब्दों के स्रोत समझो :
अ.= अरबी, अं. = अंग्रेजी, पु. = पुर्तगाली, फ्रां. = फ्रांसीसी, ची. = चीनी, जा. = जापानी

संस्कृत	हिंदी
पुस्तक	पुस्तक
कन्या	कन्या
अहंकार	अहंकार
राजा	राजा
नित्य	नित्य

✻ संस्कृत से सीधा चला आता हूँ ।
हिंदी में ज्यों का त्यों लिखा जाता हूँ ।
मैं हूँ **'तत्सम'** शब्द .....

संस्कृत	हिंदी
हस्त	हाथ
कपाट	किवाड़
क्षेत्र	खेत
पुत्र	पूत
दीप	दीया

✻ संस्कृत से चला आता हूँ ।
हिंदी में परिवर्तित होकर लिखा जाता हूँ ।
मैं हूँ **'तद्भव'** शब्द .....

ग्राम्य क्षेत्र बोलियाँ	हिंदी
झाड़ू	झाड़ू
दमड़ी	दमड़ी
ठेठ	ठेठ
चीकट	चीकट
निस	निस

✻ ग्राम्यक्षेत्र से है मेरा नाता ।
देशी भाषाओं से चला आता ।
मैं हूँ **'देशज'** शब्द .....

विदेशी भाषा	हिंदी
बाजार(फा.)	बाजार
राशन (अं.)	राशन
साबुन (पु.)	साबुन
काजू (फ्रां.)	काजू
चाय (ची.)	चाय

✻ अरबी, अंग्रेजी, फारसी आदि से हाथ मिलाता हूँ ।
हिंदी में प्रचलित होकर चला आता हूँ ।
मैं हूँ **'विदेशी'** शब्द .....

भिन्न भाषा	हिंदी
किताब(अ.)+घर (हिं.)	किताबघर
रेल (अं.)+यात्री(सं.)	रेलयात्री
माल (अ.)+गोदाम (अं.)	मालगोदाम
बीमा (अ.)+पॉलिसी (अं.)	बीमापॉलिसी
बस (अं.)+ चालक (हिं.)	बसचालक

✻ दो भिन्न भाषाओं से मेल खाता हूँ । हिंदी में नए शब्द के रूप में चला आता हूँ ।
मैं हूँ **'संकर'** शब्द .....